संपादकीय

जख्मों पर मरहम

उन्नीस सौ चौरासी के दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या के आरोपियों को दिल्ली की एक अदालत द्वारा दोषी करार दिये जाने के फैसले ने देर से ही सही पीड़ित परिवारों को न्याय का अहसास कराया और 1984 में पीड़ित परिवारों के दिलों में न्याय की आस जगाई। तीन दशक बाद दोनों सिख परिवारों को न्याय की आस तब जगी जब 2015 में स्थापित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने साक्ष्य जुटाए। दिल्ली के महिपालपुर में पहली नवंबर 1984 को तीन सिख भाइयों हरदेव सिंह, कुलदीप सिंह और संगत सिंह पर दंगइयों ने जानलेवा हमला किया। हरदेव सिंह दंगइयों द्वारा मार दिये गये। किसी तरह जान बचाकर भागे शेष दोनों भाइयों ने सदा के लिए महिपालपुर छोड़ दिया और जालंधर आकर रहने लगे। इन भाइयों की कहानी 1984 के दंगों में मारे गए लोगों की कहानी से जुदा नहीं है। बस फर्क इतना ही है कि शेष बचे दो भाइयों ने दंगों के घाव और प्रमाण जिंदा रखे, जिनसे तीन दशक बाद गठित हुई एसआईटी को दोषियों को सजा दिलाने लायक प्रमाण हासिल हो सके। सरकारों ने कार्रवाई की जगह लगातार सुस्ती और खामोशी का रुख अख्तियार किये रखा। हालांकि, जब एसआईटी गठित हुई तो तीस साल की देरी के बावजूद 280 मामलों में से 52 उन मामलों की पहचान कर ही ली गई जिन्हें जांच के लिए उपयुक्त पाया जा सका।

दरअसल, 1984 के बाद की विषम परिस्थितियों ने पीड़ितों को न्याय से वंचित रखने के लिये कोई कसर नहीं रखी। बचे हुए लोग अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों को खोने के आघात के साथ जिंदा रहते हुए भी मरने जैसे एहसास से गुजरे, जिसका जि पटियाला कोर्ट में फैसला सुनाते समय जज ने खुद किया। वर्ष 1994 में दिल्ली पुलिस ने 'साक्ष्य के अभावों में' जांच बंद कर दी थी, किंतु इन्हीं बंद फाइलों से निकल कर कानून का फंदा दोषियों की गर्दन तक पहुंच गया। हरदेव सिंह और अवतार सिंह की हत्या के लिए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने सज़ा सुनाई। यह पीड़ितों के घावों पर एक मरहम तो है ही, यह एक उदाहरण भी है कि न्याय में देरी से हमेशा न्याय के दमन के मंसूबे पूरे नहीं हो सकते।

पीएनबी : कोर्ट में वकील ने कहा- स्वस्थ नहीं हैं चोकसी, नहीं आ सकते भारत

नई दिल्ली। पीएनबी फ्रॉड के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी ने भारत न लौटने का नया बहाना बनाया है। उन्होंने कहा है कि वह तीन महीने तक भारत नहीं आ सकते हैं। उनके वकील ने मुंबई की एक अदालत को बताया कि चोकसी यात्रा करने के लिए पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कोर्ट से चोकसी को 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' घोषित करने का अनुरोध किया था। सुनवाई के दौरान वकील ने साफ कहा कि चोकसी स्वस्थ नहीं हैं इसलिए उनका बयान विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए

रिकॉर्ड किया जाए या फिर श्वष्ठ के अधिकारी एंटीगा जाकर बयान रिकॉर्ड करें।

3 महीने इंतजार कीजिए

वकील ने आगे कहा कि ऐसा नहीं तो फिर तीन महीने इंतजार कीजिए, अगर उनकी तबीयत सुधरती है तो वह अपना बयान दर्ज कराने के लिए आएंगे। गौरतलब है कि इसी साल अक्टूबर में श्वष्ठ ने 13,000 करोड़ के लोन फ्रॉड मामले की जांच के दौरान 218 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी, जिसमें हीरे और विदेश में फ्लैट शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी के मुंबई स्थित क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से पीएमएल के तहत संपत्तियों को अटैच करने के लिए तीन प्रोविजनल ऑर्डर्स जारी किए गए थे। आपको बता दें कि चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए भारतीय एजेंसियां विभिन्न विकल्पों पर काम कर रही हैं। सितंबर में एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्री ने सुषमा स्वराज को आश्वासन दिया था कि वहां की सरकार इस मामले में पूरा सहयोग करेगी।

ईडी और सीबीआई को है चोकसी का इंतजार

चोकसी और उनके भतीजे नीरव मोदी का ईडी और सीबीआई को इंतजार है। ईडी ने चोकसी के खिलाफ भगोड़े कानून के तहत समन जारी किया है और उनकी संपत्ति को फ्गूटिव इकोनॉमिक अफेंडर एक्ट 2018 के तहत संपत्ति जब्त की है।

सरकार रिजर्व बैंक के आरक्षित कोष को हथियाना चाहती हैं: चिदंबरम

नयी दिल्ली (आरएनएस)। पूर्व वित्तमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की महत्वपूर्ण बैठक से पहले रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा सरकार की केंद्रीय बैंक को अपने कब्जे में कर उसके नौ लाख करोड़ रुपये के आरक्षित कोष को हथियाना चाहती है। चिदंबरम ने एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए दावा किया कि सोमवार को होने वाली इस बैठक में सरकार और रिजर्व बैंक के बीच टकराव बढ़ने वाले हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ''सरकार रिजर्व बैंक के भंडार को हथियाने के लिये उसके ऊपर कब्जा करने का इरादा बना चुकी है। इसके अलावा अन्य तथाकथित असहमतियां महज मृगमरीचिका हैं।'' चिदंबरम ने कहा, ''दुनिया में कहीं भी केंद्रीय बैंक, उसके निदेशक मंडल द्वारा प्रबंधित कंपनी नहीं है। यह सुझाव देना कि निजी कंपनियों के लोग गवर्नर को निर्देश देंगे, हास्यास्पद है।'' उन्होंने कहा, ''19 नवंबर केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये याद रखने वाला दिन होगा।'

जेट एयरवेज ने मुंबई से रद्द की 10 घरेलू उड़ानें, यात्री एयरपोर्ट पर परेशान

मुंबई में जेट एयरवेज ने रविवार को 10 घरेलू उड़ानें रद्द कर दीं जिससे हवाईअड्डे पर जेट एयरवेज के सैकड़ों यात्री फंसे रहे. एयरलाइन सूत्रों ने यह जानकारी दी. जेट एयरवेज ने कहा कि 'संचालन संबंधी मुद्दों' के कारण छत्रपति शिवाजी

महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) से उड़ानें रद्द की गई. हालांकि एयरलाइन सूत्रों ने दावा किया कि ऐसा पायलटों की कमी के कारण हुआ.एयरलाइन ने एक बयान में कहा, संचालन से संबंधित कारणों के कारण जेट एयरवेज को अपनी कुछ घरेलू उड़ानें (18 नवंबर की) रद्द करनी पड़ीं. प्रभावित विमानों के यात्रियों को एसएमएस के जरिये उनके विमान के बारे में सूचना दे दी गई थी. नियामक नीति के अनुसार यात्रियों को दूसरे विमानों में बैठने की व्यवस्था की गई है या उन्हें हर्जाना दिया गया है. जेट एयरवेज फिलहाल ज़बरदस्त नकदी संकट से गुज़र रही है. लगातार हर तिमाही में घटा दिख रहा है.

पेट्रोल-डीजल लगातार 29वें दिन सस्ता, मध्य अगस्त के स्तर पर वापस आये भाव

नयी दिल्ली (आरएनएस)। डीजल-पेट्रोल की कीमतों में रविवार को लगातार 29वें दिन कमी दर्ज की गयी और ये पुनः मध्य अगस्त के स्तर पर आ गये। रविवार को पेट्रोल 20 पैसे और डीजल 18 पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ। सार्वजनिक ईंधन विपणन कंपनियों द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल और डीजल सस्ता होकर क्रमशः 76.71 रुपये प्रति लीटर और 71.56 रुपये प्रति लीटर पर आ गये। इसके साथ ही पिछले एक महीने में पेट्रोल में आयी नरमी 7.29 रुपये प्रति लीटर और डीजल में आयी कमी 3.89 रुपये प्रति लीटर हो

एसबीआई के योनो पर ऑनलाइन खाता खुलना किया बंद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सभी बैंकिंग सेवाओं के एकल समाधान मंच योनो (यू नो नीड वन) के जरिए बिना दस्तावेजों के सिर्फ आधार की मदद से डिजिटल खाता खोलना निलंबित कर दिया है।

बैंक ने इसके मद्देनजर वैकल्पिक समाधान के लिए रिजर्व बैंक से स्पष्टीकरण मांगा है।

आज का राशिफल

मेषः लक्ष्मीजी की कृपा आप पर बरसेगी, ऐसा गणेशजी कहते हैं। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। विवाह का आयोजन सफलतापूर्वक होगा लेकिन मध्याह्न के बाद आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृषभः आज का दिन शुभफलदायी है। व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आपके कार्य की प्रशंसा भी होगी। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य भी सरलतापूर्ण संपन्न होंगे और लाभ भी होगा। दांपत्य जीवन में आमोद-प्रमोद छाया रहेगा।

मिथुनः प्रतिस्पर्धियों और उच्च अधिकारियों के साथ वाद-विवाद न करने की गणेशजी की सलाह है। आमोद-प्रमोद से संबंधित वस्तुओं को खरीदने में खर्च अधिक होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण अच्छा रहेगा।

कर्कः अनैतिक कार्य और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की गणेशजी की सलाह है। वाणी पर संयम रखें। परिवार में तकरार ना हो, इसका ध्यान रखें। मध्याह्न के बाद विदेश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंहः स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप प्रसन्न रहेंगे। मित्रों तथा संबंधियों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनाएंगे। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारों के साथ चर्चा सकारात्मक होगी।

कन्याः आपके स्वभाव में आज कुछ अधिक संवेदनशीलता रहेगी। कार्य सफलता से प्रफुल्लित रहेंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

तुलाः अपनी बौद्धिक शक्ति से आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसलिए यात्रा को टाल दें। आकस्मिक खर्च के योग हैं। मध्याह्न के बाद कार्य-सफलता मिलने से मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिकः आज विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। स्वभाव में हठीलापन छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो अनेक समस्याओं का छुटकारा मिलेगा। नए वस्त्राभूषण तथा प्रसाधन के पीछे धन का खर्च अधिक होने की आशंका है।

धनुः शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आज बना रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन बनेगा। मित्रों के साथ समय का आनंदपूर्वक सदुपयोग हो जाएगा।

मकरः आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। धार्मिक कार्यों और उपासना के पीछे धन का खर्च हो सकता है। मध्याह्न के बाद आपका मन प्रफुल्लता का अनुभव करेगा।

कुंभः आज आध्यात्मिक विषयों की तरफ झुकाव अधिक रहेगा। शारीरिक प्रफुल्लता और मानसिक प्रसन्नता दिनभर बनी रहेगी। मध्याह्न के बाद आप धार्मिक कार्यों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मीनः धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय सावधानी बरतें, ऐसा गणेशजी कहते हैं। किसी के भी कार्य में विघ्न न डालें। वाणी और ोध पर संयम बरतें।

आज है तुलसी विवाह, इस समय करें पूजन

आज यानी 19 नवंबर को देवउठनी एकादशी है. पूरे साल में 24 एकादशी होती है. हर महीने दो एकादशी पड़ती है, एक शुक्ल पक्ष में तो दूसरी कृष्ण पक्ष में. सभी एकादशी में कार्तिक शुक्ल एकादशी का विशेष महत्व होता है. इसे देवप्रबोधनी एकादशी या देव उठानी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. आज है देवउठनी ऐकादशी, भगवान विष्णु के निंद्रा से जागने का दिन. इस दिन भगवान विष्णु की आराधना का बहुत महत्व है. इस एकादशी पर व्रत करने से बैकुंठ की प्राप्ति होती है. मान्यता है कि आज के दिन भगवान विष्णु निंद्रा से जाग जाते हैं और मांगलिक कार्यों की शुरूआत होती है. सभी देवों ने भगवान विष्णु को चार मास की योग निद्रा से जगाने के लिए घंटा, शंख, मृदंग आदि की मांगलिक ध्वनि के साथ श्लोकों का उच्चारण किया था. इस एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा से जन्म जन्मांतर के पाप समाप्त हो जाते हैं. व्रत करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और घर में समृद्धि आती है. भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के साथ इस दिन तुलसी जी का शालिग्राम से विवाह भी कराया जाता है.

आज होता है तुलसी विवाह

देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह किया जाता है. इस दिन तुलसी जी का विवाह शालिग्राम से किया जाता है. अगर किसी व्यक्ति को कन्या नहीं है और वह जीवन में कन्या दान का सुख प्राप्त करना चाहता है तो वह तुलसी विवाह कर प्राप्त कर सकता है.

मुक्केबाजी में भारत की मनीषा का धमाकेदार प्रदर्शन, विश्व चैंपियन को हराकर पहुंची क्वार्टरफाइनल में

नयी दिल्ली (आरएनएस)। भारत की मनीषा मौन ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की डिनो झालामैन को यहां आईजी स्टेडियम स्थित केडी जाधव हाल में चल रही आईबा महिला विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में रविवार को 5-0 से पीटकर बेंटमवेट 54 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि लवलीना बोर्गोहेन (69) और भाग्यवती काचारी (81) ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत लिए।

हरियाणा की मनीषा ने डिनो से अपना मुकाबला 30-27,30-27, 30-27, 29-28, 29-28 से जीता और अंतिम आठ में स्थान बना लिया। मनीषा अब प्रतियोगिता में कांस्य पदक पक्का करने से एक कदम दूर रह गयी हैं।

भारतीय मुक्केबाज ने अपना मुकाबला जीतने में ज्यादा पसीना नहीं बहाया और अपना मुकाबला जजों के सर्वसम्मत फैसले से जीत लिया। मुकाबला जीतने के बाद मनीषा ने कहा,मैंने पूरे आत्मविश्वास से यह मुकाबला लड़ा। मैं रिंग में उतरने के बाद मैं यह नहीं सोचती कि सामने विश्व चैंपियन है या विश्व चैंपियन की कांस्य पदक विजेता हो। मनीषा ने अपने पहले मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता को हराया था और अब उन्होंने विश्व चैंपियन को ही पीट दिया। मनीषा इससे पहले डिनो को पोलैंड में भी हरा चुकी थीं और फिर पोलैंड में उन्होंने रजत पदक जीता था। मनीषा का अगला मुकाबला नंबर एक सीड मुक्केबाज से होगा।

बीसीसीआई ने की सीओएओर से मेमो भेजे जाने का किया खंडन

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे में कप्तान विराट कोहली (Virat Kohli) को विनम्र (Humble) रहने के लिए प्रशासकों की समिति (COA) द्वारा मेमो भेजे जाने का खंडन किया है. बीसीसीआई ने रविवार को एक बयान में कहा कि मीडिया में शनिवार को जारी की गई खबर गलत है. बोर्ड ने कहा कि 17 नवंबर को मुंबई स्थित मीडिया ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें ' विनम्र रहो -विराट कोहली को सीओए का मेमो' शीर्षक दिया गया था. यह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है. इस रिपोर्ट में कहा गया था कि भारतीय कप्तान कोहली को 'विनम्र' रहने के लिए एक संदेश भेजा गया था.

मीडिया में ऐसी रिपोर्ट आने के बाद बीसीसीआई ने टीम प्रबंधन से विचार-विमर्श करने के बाद पाया कि यह रिपोर्ट आधारहीन है.

दही करेला बनाने का आसान तरीका

रोजमर्रा के जीवन में सभी स्वादिष्ट और हैल्दी भोजन खाने का शौक होता है। जो खाने में अलग भी हो और घर में सभी को पसंद भी आए। आज हम आपको दही करेला की रेसिपी बताएंगे-

सामग्री :
करेला-1/2 किलो,
दही-1/2 किलो,
प्याज- 2 (बारीक कटे),
अमचूर-1 टीस्पून,
देगी मिर्च- 1/2 टीस्पून,

विधि : सबसे पहले करेले को अच्छे से धोकर छील लें। अब करेलों को बीच से लंबाई में चीरा लगा लें।अब एक कढ़ाही में तेल डालकर करेलों को धीमी आंच पर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कर लें और अगल रख दें। अब एक बाउल में अमचूर, देगी मिर्च और नमक डालकर मिक्स करें और इसे फ्राई किए हुए करेले में भर दें। अब एक कढ़ाही में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तब इसमें प्याज डालें और गोल्डन होने तक भून लें। अब इसमें करेले, दही, नमक, हल्दी, लाल मिर्च और गर्म मसाला डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें और 15 मिनट तक धीमी आंच पर ढककर पका लें। अब ऊपर से गाढ़ा दही और हरा धनिया से गार्निश करें और सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-92

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 91 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

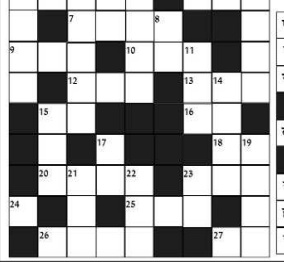

सू-दोकू-92

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.91 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6